हिन्दुस्तान – 05.04.2020

गुदड़ी में मुठभेड़, तीन महिला नक्सली ढेर

मनोहरपुर/सोनुवा | संवाददाता

गुदड़ी के रेड़ा जंगल में शनिवार सुबह मुठभेड़ में जवानों ने सुरेश मुंडा व जीवन कंडुलना दस्ते की तीन महिला नक्सलियों को मार गिराया। इस दौरान पैर में गोली लगने से सीआरपीएफ का एक जवान घायल हो गया। उसे इलाज के लिए भेजा गया है। एक नक्सली की पहचान रेणुका के रूप में हुई है। घटना स्थल से पुलिस ने बम-बंदूक समेत अन्य सामान बरामद किया है।

भाग निकले कमांडर सुरेश व जीवन : मुठभेड़ के दौरान पुलिस को भारी पड़ता देख नक्सली कमांडर सुरेश व जीवन भाग निकले। उनकी गिरफ्तारी के लिए जवान सर्च ऑपरेशन जारी है। पूरे इलाके की घेराबंदी कर कर दी गई है। पश्चिमी सिंहभूम के एसपी इंद्रजीत महथा व सीआरपीएफ के कई आला अधिकारियों ने मौके पर पहुंच पड़ताल की।

गुदड़ी के रेड़ा जंगल में शनिवार सुबह मुठभेड़ के बाद बिखरा पड़ा नक्सलियों का सामान।

सरेंडर करने को कहा तो नक्सलियों शुरू की फायरिंग : सर्च ऑपरेशन के दौरान रेड़ा जंगल में शनिवार सुबह सात बजे जवानों सरेंडर करने कहा कि नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवानों ने भी मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। तीन साथियों के मारे जाने के बाद सुरेश व जीवन भाग निकला। इसके बाद नक्सलियों के शवों बरामद किये गये। देखें पेज 05

सीआरपीएफ जवान भी जख्मी

- रेड़ा जंगल में सुरक्षा बल एवं नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़
- एक मृत नक्सली की पहचान रेणुका के रूप में हुई है

मुठभेड़ के बाद मिले ये सामान

एक 3 नॉट 3 रायफल, दो बंदूकें, 3 तीर बम, आईडी, एम्यूनेशन, तार, चटाई आईडी लगा तीर, वॉकीटॉकी, चादर वर्नाक्यूलर, खाद्य सामग्री, बर्तन, बाल्टी।

हिन्दुस्तान –05.04.2020

एक घंटे की मुठभेड़ में चलीं सौ राउंड गोलियां

मनोहरपुर/सोनुवा | संवाददाता

गुदड़ी थाना क्षेत्र के रेड़ा जंगल में शनिवार सुबह सात बजे शुरू हुई इस मुठभेड़ में दोनों तरफ से लगभग सौ राउंड गोलियां चलीं। सुबह सात बजे से शुरू हुई मुठभेड़ लगभग आठ बजे तक चली। जवानों की ओर से की गयी फायरिंग में तीन महिला नक्सलियों को गोलियां लगीं और तीनों मौके पर ही ढेर हो गयीं। हालांकि, तीनों महिला नक्सलियों की अब तक पहचान नहीं हो पायी है।

जंगल में अचानक नक्सलियों की मुलाकात सोदे की ओर से सर्च ऑपरेशन चला रही 94 बटालियन सीआरपीएफ व खूंटी पुलिस के जवानों के साथ हो गयी। जिससे नक्सली संभल नहीं पाये व क्षेत्र से भागने में असफल हुए। शनिवार सुबह करीब एक घंटे की मुठभेड़ में तीन वर्दीधारी महिला नक्सली मारी गयीं। सर्च ऑपरेशन चलाकर पुलिस ने तीन महिला नक्सलियों के पास से एक 303 बंदूक के अलावा भारी मात्रा में एसएलआर बंदूक की गोली व आईडी बरामद की। वहीं, तीन नक्सलियों को गोली लगने पर साथी अन्य दो नक्सलियों से एसएलआर बंदूक लेकर भाग निकले। लेकिन, गोली व आईडी वजनदार होने के कारण छूट गया।

गुदड़ी थाना क्षेत्र के रेड़ा जंगल में शनिवार को पुलिस मुठभेड़ में मारी गईं महिला नक्सली। • हिन्दुस्तान

घटना स्थल पहुंचे पुलिस कप्तान

मुठभेड़ की घटना के बाद जिले के पुलिस अधीक्षक इंद्रजीत महथा शनिवार लगभग 11 बजे घटना स्थल पंहुचे। उन्होंने घटना को लेकर सीआरपीएफ़ व जिला पुलिस के जवानों से पूछताछ की। साथ ही फरार नक्सलियों की गिरफ्तारी के लिए रणनीति बनायी और सर्च ऑपरेशन चलाते रहने का निर्देश दिया।

घटना स्थल का जायजा लेते एसपी इंद्रजीत महथा एवं अन्य अधिकारी। • हिन्दुस्तान

शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा

मुठभेड़ के बाद जिला पुलिस ने एसपी इंद्रजीत महथा व नियुक्त किये गये दंडाधिकारी आनंदपुर बीडीओ शैलेंद्र कुमार रजक की उपस्थिति ने मृत महिला नक्सलियों के शवों को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

प्रभात खबर – 05.04.2020

टोमडेल पंचायत के रेडा गांव में पुलिस-माओवादी मुठभेड़ मामले में एसपी ने कहा

94 बटालियन व जिला पुलिस से हुई मुठभेड़, दो दर्जन से ज्यादा थे नक्सली

प्रतिनिधि ▷ आनंदपुर

गुदड़ी थाना क्षेत्र के अति सुदूर इलाका रेडा, जो खूंटी जिला का सीमा क्षेत्र है. यहां शनिवार की सुबह पुलिस व नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई. जिसमें माओवादी सुरेश मुंडा व जीवन कंडुलना के दस्ते से माओवादियों के तीन महिला सदस्य मारी गयी. पुलिस का दावा है कि मुठभेड़ के दौरान कई माओवादी गंभीर रूप से घायल हुए हैं. घटनास्थल और माओवादियों के ठिकाने से पुलिस ने दो देसी रायफल, एक थ्री नट थ्री राइफल, दो केन बम, तीर बम, बम बनाने की सामग्री, माओवादी वर्दी, टोपी, वाकी-टाकी आदि बरामद किया है.

गुप्त सूचना पर चलाया गया अभियान : एसपी

एसपी इंद्रजीत महथा ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि सुरेश और जीवन का दस्ता क्षेत्र में सक्रिय है. दस्ता द्वारा नवयुवक व युवती को संगठन से जोड़ा जा रहा है और उन्हें हथियार दिया जा रहा है. सूचना पर सोदे की सीआरपीएफ 94 बटालियन,चाईबासा के 60 बटालियन, 174 बटालियन और जिला पुलिस द्वारा संयुक्त अभियान चलाया गया. इसी क्रम में सौदे के 94 बटालियन व जिला पुलिस के जवान रेडा पहुंचे.

गांव से ऊपर पहाड़ी की समतल जगह पर दस्ता था और भोजन बनाने की तैयारी में जुटे थे. पुलिस व सुरक्षा बल को देखकर फायरिंग शुरू कर दी. पुलिस द्वारा सरेंडर करने की हिदायत देने के बाद जवाबी फायरिंग शुरू की गयी. दोनों तरफ से सैकड़ों राउंड गोली चलने के बाद नक्सली सुरक्षा घेरा बनाकर भागने लगे. श्री महथा ने बताया कि गांव का इलाका होने के कारण ग्रामीणों को किसी प्रकार की क्षति न हो, इसके लिए पुलिस और सुरक्षाबल काफी सुरक्षा पूर्ण तरीके से अपना बचाव कर रहे थे. माओवादी अधिकतर घर का सहारा लेकर बचाव कर रहे थे. इस दौरान तीन महिला माओवादी सुरक्षा बल की गोली के शिकार हो गये. मारे गए महिला माओवादी की उम्र 22 से 25 साल के बीच है. पुलिस सूत्रों के मुताबिक मारे गये महिला नक्सलियों में एक की शिनाख्त रेणु नाम की महिला के रूप में की गयी है.ऑपरेशन में 94 बटालियन के सहायक समादेष्टा प्रह्लाद चौधरी, आनंदपुर थाना के एएसआइ जितेंद्र कुमार समेत अन्य जवान शामिल थे.

घटनास्थल पर महिला नक्सली का शव.

दूसरी महिला नक्सली का शव.

माओवादी खुद बनाते हैं तीर बम जैसे घातक हथियार

एसपी ने बताया कि माओवादी द्वारा एक तीर के तरह का हथियार प्रयोग किया जाता है. जिसके अगले सिरे पर बम रहता है. विधानसभा चुनाव के एक दिन पूर्व 6 दिसंबर को कुईड़ा पिकेट में तीर बम से हमला किया गया था. पिछले दिनों छत्तीसगढ़ में तीर बम से हमला किया गया था. जिसमें 17 जवानों की मौत हुई थी. सोनुआ में भी तीर बम का इस्तेमाल किया गया. यह हथियार माओवादी स्वयं बनाते हैं.

एसपी पहुंचे घटना स्थल

आनंदपुर से सिमडेगा, खूंटी जिला होते हुए एसपी इंद्रजीत महथा, 94 बटालियन के कमांडेंट राजेश सिंह शनिवार की दोपहर 1 बजे मुठभेड़ स्थल पहुंचे. इंस्पेक्टर सह आनंदपुर थाना प्रभारी खुर्शीद आलम, मनोहरपुर थाना प्रभारी प्रदीप मिंज, दंडाधिकारी आनंदपुर बीडीओ शैलेंद्र कुमार रजक महिला पुलिस बल के साथ सदलबल मुठभेड़ स्थल तक पहुंचे. घटनास्थल से सारी जानकारी लेने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया. श्री महथा ने बताया कि शव के अंत्यपरीक्षण के लिए मेडिकल बोर्ड का गठन किया गया है.

शव को देखती पुलिस.

खाने पीने की तैयारी कर रहे थे माओवादी.

पिछले दो-तीन सप्ताह से क्षेत्र में सक्रिय नक्सली बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में थे

- घंटे भर दोनों ओर से चली सैकड़ों राउंड फायरिंग
- सीआरपीएफ 94 बटालियन के एक जवान के पैर में लगी गोली

मनोहरपुर/आनंदपुर. टोमडेल पंचायत के रेडा गांव में हुई पुलिस-माओवादियों की मुठभेड़ के बावत पुलिस अधीक्षक इंद्रजीत महथा ने कहा कि भौगोलिक दृष्टिकोण से जिस स्थान पर मुठभेड़ हुई है, उससे प्रतीत होता है कि नक्सली कवर एंड फायर नीति अपनाकर पुलिस बलों को नुकसान पहुंचाना चाहते थे. उन्होंने कहा कि यह इलाका खूंटी व चाईबासा जिला से सटा हुआ है. पुलिस व सुरक्षा बल द्वारा चलाये जा रहे अभियान में दोनों जिला की पुलिस व सीआरपीएफ ने हिस्सा लिया. पुलिस के पास सूचना थी कि इस इलाके में 25 से 30 की संख्या में नक्सली पिछले दो-तीन सप्ताह से सक्रिय थे. सूचना पर चलाये गये सर्च अभियान के दौरान नक्सलियों ने फायरिंग शुरू की. पुलिस व सुरक्षा बलों ने पहले सरेंडर करने की अपील की. लेकिन नक्सली नहीं माने. जिस पर पुलिस ने जवाबी फायरिंग की. लगभग घंटे भर दोनों ओर से चली सैकड़ों राउंड फायरिंग में सोदे स्थित सीआरपीएफ 94 बटालियन के एक जवान के पैर में गोली लग गयी, जिसे इलाज के लिए भेज दिया गया है. मुठभेड़ थमने के बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया, जिसमें हमें तीन महिला नक्सलियों के शव मिले. यह पुलिस व सुरक्षा बलों के लिए बड़ी उपलब्धि है.

समादेष्टा व सहायक समादेष्टा के साथ एसपी इंद्रजीत महथा.

माओवादी ठिकाने से पुलिस ने बरामद किया

दो देसी रायफल, एक थ्री नट थ्री रायफल, दो तैयार केन बम, तीर बम, बम बनाने की सामग्री, खाने पीने के सामान, माओवादी वर्दी, टोपी, वाकी-टाकी

दैनिक भास्कर — 06.04.2020

देवरी : सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने के लिए झारखंड-बिहार की सीमा पर नक्सलियों ने भारी मात्रा में छुपा रखा था विस्फोटक

जवानों ने भारी मात्रा में जिलेटिन, डेटोनेटर व आईईडी बम बरामद कर डिफ्यूज किया

बमों को डिफ्यूज करने से हुए जोरदार धमाके से सहमे आसपास के लोग अपने-अपने घरों में दुबके

भास्कर न्यूज| देवरी

झारखंड-बिहार बॉर्डर पर सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों को एक बड़ी सफलता मिली है। गिरिडीह की भेलवाघाटी पुलिस और बिहार के जमुई की चकाई पुलिस और सीआरपीएफ जवानों को नक्सलियों के खिलाफ चलाए गए संयुक्त ऑपरेशन में रविवार सुबह सफलता हाथ लगी है। दोनों राज्यों की पुलिस ने गिरिडीह जिले के भेलवाघाटी थाना क्षेत्र के भतुआकुरहा और चकाई थाना क्षेत्र के गुड़ूरबाद से भारी मात्रा में विस्फोटक के साथ चार आइईडी बम बरामद किया है। बताते चलें कि अभियान में गिरिडीह भेलवाघाटी थाना पुलिस व सीआरपीएफ ए-7 और जमुई के चकाई थाना पुलिस और सीआरपीएफ ए-215 शामिल थे। इस दौरान सुरक्षा बलों की बीडीडी टीम ने बड़नेर नदी के किनारे बरामद आईईडी बमों को एक साथ निष्क्रिय किया। बमों को निष्क्रिय करने के दौरान जोरदार धमाके से पूरा इलाका दहल उठा और लोग दिन में ही किसी अनहोनी के भय से अपने घरों में दुबक गए।

जानकारी के अनुसार नक्सलियों द्वारा भेलवाघाटी थाना क्षेत्र के भतुआकुरहा और चकाई थाना क्षेत्र के गुड़ूरबाद के जंगल में सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के इरादे से आईईडी बम छुपाकर रखे गए थे। पुलिस व सीआरपीएफ को मिली गुप्त सूचना के आधार पर गिरिडीह व जमुई पुलिस के अलावा सीआरपीएफ जवानों ने संयुक्त रूप से सर्च अभियान चलाकर विस्फोटक बरामद कर लिया।

बड़ी वारदात को अंजाम देकर मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने की फिराक में हैं नया नक्सली कमांडर

सीआरपीएफ ए-7 बटालियन के सहायक कमांडेंट अजय कुमार ने बताया कि सर्च ऑपरेशन के दौरान गुप्त सूचना मिली कि भेलवाघाटी थाना क्षेत्र के भतुवाकुरहा के एक खेत मे सुरक्षा बलों नुकसान पहुंचाने मकसद से दो टीन के जार में भारी मात्रा में जिलेटिन और डेटोनेटर व लोहे के छड़ के टुकड़े से बम तैयार कर बैटरी खेत में छुपाकर रखा गया है। वहीं भेलवाघाटी व चकाई थाना के बॉर्डर पर बसे गुड़ूरबाद गांव की आरा मील में रखे लकड़ी के भूसे में दो टीन में जिलेटिन, डेटोनेटर व लोहे के छड़ के टुकड़े से तैयार बम व एक बैटरी को नक्सलियों ने छुपा कर रखा था।

नक्सली कमांडर सिद्धू कोड़ा की मौत के बाद पिंटू राणा को मिली है कमान

जानकारी के अनुसार, नक्सली कमांडर सिद्धू कोड़ा की मौत के बाद अब पिंटू राणा को नक्सली जोनल कमांडर की जवाबदेही मिली है, जिसने गिरिडीह और जमुई के सीमावर्ती इलाकों की कमान संभाल रखी है। बता दें कि सिद्धू कोड़ा की मौत के बाद नक्सली संगठन की हाई लेवल बैठक बिहार-झारखंड की सीमा पर नक्सली कमांडर अरविंद यादव उर्फ अविनाश के नेतृत्व में हुई थी। इसमें संगठन मारक दस्ता के उस हार्डकोर नक्सली को कमान देने के मूड में था, जिसे बिहार-झारखंड के गिरिडीह व जमुई जिले की भौगोलिक बनावट के साथ-साथ आर्थिक स्रोत के बाबत विस्तृत जानकारी हो। इन शर्तों में पिंटू राणा फिट बैठा, जिसे जमुई, गिरिडीह व लखीसराय जिले के जंगली इलाकों की जानकारी तो है ही, साथ-साथ संवेदकों पर भी उसकी अच्छी पकड़ है।

हिन्दुस्तान – 06.04.2020

सीआरपीएफ-पुलिस के सर्च अभियान में मिली कामयाबी, पुलिस-सीआरपीएफ को निशाना बनाने की थी साजिश

विस्फोटक को बम निरोधक दस्ता ने किया डिफ्यूज

दहशत

देवरी/गिरिडीह | प्रतिनिधि

देवरी अंचल व भेलवाघाटी थाना क्षेत्र के महेशकिशोर-भतुआकुरहा पहाड़ी और नदी के पास विस्फोटक की बरामदगी के बाद

वरीय अधिकारियों के निर्देश पर सभी जिलेटीन व डेटोनेटर को बम निरोधक दस्ता के सदस्यों ने विस्फोट कर डिफ्यूज कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि नक्सलियों के द्वारा लगाए गए विस्फोटक के फटने से पुलिस व सीआरपीएफ को काफी नुकसान पहुंच सकता था। बताया कि क्षेत्र में सीआरपीएफ व पुलिस की संयुक्त गश्त लगातार जारी रहेगी। मौके पर भेलवाघाटी व चकाई में पदस्थापित पुलिस, सीआरपीएफ, सेट आदि के कई जवान उपस्थित थे।

बिहार और झारखंड के इन गांवों में भारी खौफ : विस्फोटकों की बरामदगी के बाद हरकुंड, महेशकिशोर, सागबारी, भतुआकुरहा, पोचाटांड़, जरहा, कारीझाल, होरमातरी, तेतरिया, हथगड़ आदि और बिहार के मंझिलाडीह, मड़वा, गोसबारा, बरमोरिया और रखाटोला आदि गांवों के ग्रामीणों में भारी खौफ है। ग्रामीण इस संबंध में कुछ भी बताना नहीं चाहते हैं, लेकिन अनुमान है कि नक्सलियों को नुकसान होने पर वे प्रतिशोध में कुछ कदम उठा सकते हैं। इससे ग्रामीण डरे-सहमे हैं। पुलिस भी काफी चाक-चौकस है। वहीं बरामद विस्फोटक के जखीरा से झारखंड-विहार के सीमा के पास के गांव में दहशत को माहौल है।

क्या-क्या हुआ बरामद : बरामद हुए विसफोटकों में क्रमशः भतुआकुरहा पहाड़ी में चार डेटोनेटर, 42 पीस जिलेटीन, 12 वोल्ट की सूखे सेल की एक बैट्री, टीन का दो डिब्बा तथा काटा हुआ लोहे का रड बरामद किया गया। वहीं बिहार के गुडुरबाद स्थित आरा मिल में 55 पीस जिलेटीन, चार पीस डेटोनेटर, 12 वोल्ट के सूखा सेल की एक बैट्री, लोहे की छड़ तथा टीन का दो डिब्बा आदि सामग्री बरामद की गई। वहीं प्रशासन इसको लेकर काफी सतर्क है।

रविवार को झारखंड बिहार बोर्डर में भतुआकुरहा-गुडुरबाद पहाड़ी के पास से बरामद विस्फोटक के साथ जानकारी देते अधिकारी।

अभियान

- भतुआकुरहा पहाड़ी में चार डेटोनेटर, 42 जिलेटीन बरामद
- बरामदगी से झारखंड-बिहार सीमा के गांवों में भारी दहशत

विस्फोटक को डिफ्यूज करने के बाद तेज आवाज के साथ फैला धुआं। • हिन्दुस्तान

पहले भी बरामद हुआ है विस्फोटकों का जखीरा

भेलवाघाटी और चकाई थाना क्षेत्र के सीमाई गांवों में कथित रूप से नक्सलियों द्वारा लगाए गए आइइडी सहित विस्फोटकों का जखीरा पूर्व में भी कई बार पुलिस ने बरामद हुआ है। जिसमें महेशकिशोर-सागबारी तथा करिहारी, गलफुलिया के जंगल समेत सोनरे नदी के पास अवस्थित पुल के किनारे आदि गांवों में आइइडी और विस्फोटक सामग्री बरामद की गई थी।

प्रभात खबर – 10.04.2020

केड़ाबीर जंगल में पुलिस-नक्सलियों में मुठभेड़, कई राउंड फायरिंग, कैंप ध्वस्त

- आइडी, तीर बम, तार, नक्सलियों की वर्दी सहित खाद्य सामग्री व बर्तन बरामद
- इलाके में गुप्त सूचना पर सर्च ऑपरेशन चला रही थी पुलिस व सीआरपीएफ

प्रतिनिधि ▷ सोनुआ

घटनास्थल पर पड़ा आइइडी, बैग और ध्वस्त कैंप से बरामद बर्तन व अन्य सामान.

सोनुआ थानांतर्गत लोंजो पंचायत के केडाबीर गांव के पास लुड़कुबुरु जंगल के पहाड़ी पर गुरुवार की दोपहर करीब 2:30 बजे को सर्च ऑपरेशन के दौरान पुलिस व सीआरपीएफ के जवानों का नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गयी. घटना गुरुवार की दोपहर करीब ढाई बजे घटी. इस दौरान दोनों तरफ से कई राउंड गोलियां चलीं. इस दौरान पुलिस-सीआरपीएफ को भारी पड़ता देख नक्सली भाग खड़े हुए. पुलिस व सीआरपीएफ ने नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के एक अस्थायी कैंप को ध्वस्त कर दिया. वहां से कई आइइडी, तीर बम, तार, नक्सलियों की वर्दी, खाद्य सामग्री व बर्तन बरामद किया गया.

इस संबंध में पुलिस अधीक्षक चाईबासा इंद्रजीत महथा ने बताया कि जिला पुलिस व सीआरपीएफ इलाके में नक्सली टोह को लेकर अपना सर्च अभियान चला रही थी. इस दौरान मुठभेड़ हो गयी. नक्सली कमांडर लोदरा लोहरा अपने दस्ते के साथ भाग गया. उन्होंने बताया कि सर्च अभियान जारी है.

गुप्त सूचना पर चलाया गया अभियान

जानकारी के मुताबिक केड़ाबीर के पास नक्सली दस्ता के डेरा जमाये होने की सूचना पर जिला पुलिस व सीआरपीएफ 60 बटालियन की टीम बुधवार सुबह से अभियान चला रही तीं. इस दौरान केडाबीर गांव के पास लुड़कुबुरु पहाड़ी पर पुलिस-सीआरपीएफ के पहुंचते ही नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू कर दी. जवाबी फायरिंग में नक्सली पुलिस को भारी पड़ता देख भाग खड़े हुए.

एसडीपीओ व कमांडेंट हुए रवाना

मुठभेड़ की सूचना मिलने पर एसडीपीओ नाथु सिंह मीणा, सीआरपीएफ 60 बटालियन के कमांडेंट आनंद जेराई, अभियान एसपी प्रणव आनंद काफी संख्या में सीआरपीएफ व पुलिस जवान के साथ गुरुवार की दोपहर करीब चार बजे केडाबीर के पहाड़ी की तरफ घटनास्थल पर कूच किये.

दैनिक जागरण – 13.04.2020

पुलिस पर हमले की साजिश नाकाम मिला विस्फोटक सामग्री का जखीरा

अड़की में सीआरपीएफ व पुलिस के जवानों को मिली सफलता

नक्सली कमांडर अमित मुंडा और प्रभात मुंडा उर्फ मुखिया के दस्ते ने था छिपाया

एसपी ने किया था छापामार दल का गठन, सूचना के सत्यापन के लिए निकली थी टीम

जागरण संवाददाता, खूंटी : जिले के अड़की थानाक्षेत्र के चेरेंबा गांव के पास रविवार को सीआरपीएफ जवानों ने नक्सली दस्ते द्वारा नदी किनारे छिपाकर कर रखी गई बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री को बरामद की। यह जानकारी खूंटी एसपी आशुतोष शेखर ने एक बयान जारी कर दी है।

उन्होंने बताया कि उन्हे गुप्त सूचना मिली थी कि नक्सली कमांडर अमित मुंडा तथा प्रभात मुंडा उर्फ मुखिया के दस्ते द्वारा चेरंबा गांव के पास पुलिस पार्टी पर हमला करने के उद्देश्य से विस्फोटक सामग्री छिपाकर रखी गई थी। इस सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए उन्होंने अड़की में तैनात सीआरपीएफ 157 बटालियन के द्वितीय कमान अधिकारी कमल वीर यादव तथा एसपी अभियान अनुराग गुप्ता के नेतृत्व में एक छापामार टीम का गठन कर त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया। निर्देश के आलोक में जब टीम वहां पहुंची, तो नदी किनारे नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखी गई विस्फोटक सामग्री व अन्य सामान बरामद हुए। छापामारी टीम में सीआरपीएफ के सहायक समादेष्टा जितेंद्र कुमार, अड़की थाना प्रभारी विक्रांत कुमार, अड़की थाना के पुलिस अवर निरीक्षक अजय कुमार शर्मा, विवेक कुमार महतो, कमलेश चौधरी, ओम प्रकाश प्रसाद सहित अड़की थाना एवं सीआरपीएफ के जवान शामिल थे।

खूंटी में बड़ी मात्रा में बरामद की गई विस्फोटक सामग्री ● जागरण

क्या-क्या किया गया घटनास्थल से बरामद

कामर्शियल कोडकेस लाल रंग का 225 मीटर, पांच किलो का गैस सिलिंडर एक और दो लीटर का एक, पांच लीटर का प्रेशर कूकर, छोटे साइज का स्टील केन 15, नक्सली वर्दी दो, पांच एमएम के तीन बंडल बिजली का तार, 50 एमसिल, नक्सली साहित्य, फॉस्ट एंड बाक्स, वाटर कटर एक, काले रंग का तिरपाल, वाटर पाइप 15, मोबाइल कनेक्टर एक, प्रिंर कनेक्टर एक, लाल रंग का तार प्लग लगा हुआ 50 मीटर, काले रंग का मोटर तार 30 मीटर सहित अन्य सामान बरामद किए गए।

कार्रवाई

- चेरंबा गांव में नदी के किनारे छिपाकर रखी गई थी विस्फोटक सामग्री
- पुलिस ने गुप्त सूचना पर की कार्रवाई